# मौसम की मार से बचने को चेतावनी प्रणाली से जुड़ें

## कार्यशाला

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में सोमवार को जलवायु परिवर्तन से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

**पटना, मुख्य संवाददाता।** चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना और यूनिसेफ बिहार के संयुक्त प्रयास से गर्मी और स्वास्थ्य : बिहार में जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से बचाव विषय पर सोमवार को जागरूकता कार्यशाला हुई।

इसमें बढ़ती गर्मी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने पर चर्चा हुई। राज्य में बढ़ते तापमान की प्रवृत्ति और गर्म टापू में तब्दील हो रहे शहरों के बारे में विशेषज्ञों ने मंथन किया। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य पीएन राय ने कहा कि मौसम की मार से बचने को लोगों को चेतावनी प्रणाली से जुड़ना होगा। इसके लिए कई ऐप विकसित किए गए हैं। इनका इस्तेमाल करना चाहिए। चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए। मौसम संबंधी अलर्ट या जानकारी को हमें खुद तक सीमित नहीं रखना चाहिए। मुखिया और टोला सेवकों तक तात्कालिक अलर्ट पहुंचता है, लेकिन घटनाओं की संख्या बताती है कि सूचनाएं सही समय पर पहुंच नहीं पा रही हैं। अगर हम सचेत हों तो मौसमी आपदाओं का न्यूनीकरण संभव है। बिहार मौसम सेवा केंद्र पटना के डॉ. सीएन प्रभु ने 'बिहार मौसम ऐप' और 'इंद्रवज्र' जैसे डिजिटल टूल्स के उपयोग पर जोर दिया गया। आईएमडी पटना के निदेशक आशीष कुमार, राज्य नोडल अधिकारी एस चंद्रशेखर, सीआईएमपी के प्रो. सुनील कुमार, सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी कुमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

Hindustan ! Page.No-04 ! Dated:06-05-2025

# हीटवेव का असर बिहार जैसे कृषि आधारित राज्यों में ज्यादा

## सीआइएमपी और यूनिसेफ की ओर से हुई कार्यशाला

**संवाददाता, पटना**

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआइएमपी) और यूनिसेफ बिहार के संयुक्त प्रयास से गर्मी और स्वास्थ्य बिहार में जलवायु लचीलापन विकसित करना विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गयी. इसका उद्देश्य बढ़ती गर्मी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से निबटने के लिए लोगों को तैयार करना था. बीएमएसके, पटना के डॉ सीएन प्रभु ने गर्मी से निबटने के लिए संस्था द्वारा की जा रही पहलों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कैसे किसानों और समुदायों को जागरूक कर बिहार को गर्मी के प्रभावों से लचीला बनाया जा रहा है. इस मौके पर 'बिहार मौसम एप' और 'इंद्रवज्र' जैसे डिजिटल टूल्स के उपयोग पर जोर दिया गया, जिससे मौसम की जानकारी समय पर मिल सके. कार्यशाला में बच्चों और ग्रामीण इलाकों पर हीटवेव के प्रभाव को लेकर भी चिंता जतायी गयी. राज्य नोडल अधिकारी एस चंद्रशेखर ने जल जीवन हरियाली मिशन की भूमिका बतायी. सीआइएमपी के प्रो सुनील कुमार ने बताया कि हीटवेव का असर बिहार जैसे कृषि-आधारित राज्यों में ज्यादा होता है, जिससे जन स्वास्थ्य और आजीविका प्रभावित होती है.

Prabhat Khabar ! Page.No-04 ! Dated:06-05-2025

# बिहार में जलवायु लचीलापन बढ़ाने पर दिया गया जोर

## गर्मी और स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित की

पटना| चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी), पटना और यूनिसेफ बिहार के संयुक्त प्रयास से गर्मी और स्वास्थ्य : बिहार में जलवायु लचीलापन विकसित करना विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती गर्मी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए लोगों को तैयार करना था। बीएमएसके पटना के डॉ. सीएन प्रभु ने गर्मी से निपटने के लिए संस्था द्वारा की जा रही पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे किसानों और समुदायों को जागरूक कर, बिहार को गर्मी के प्रभावों से लचीला बनाया जा रहा है। इस मौके पर 'बिहार मौसम एप' और 'इंद्रवज्र' जैसे डिजिटल टूल्स के उपयोग पर जोर दिया गया, जिससे मौसम की जानकारी समय पर मिल सके। कार्यशाला में बच्चों और ग्रामीण इलाकों पर हीटवेव के प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई गई।राज्य नोडल अधिकारी एस चंद्रशेखर ने जल जीवन हरियाली मिशन की भूमिका बताई। सीआईएमपी के प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि हीटवेव का असर बिहार जैसे कृषि-आधारित राज्यों में ज्यादा होता है, जिससे जन-स्वास्थ्य और आजीविका प्रभावित होती है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन, सूखा, फसल नुकसान और एयर कंडीशनर के बढ़ते उपयोग जैसे विषयों पर चर्चा की और सामुदायिक सहयोग की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रयास और डिजिटल समाधान के उपयोग से जलवायु लचीलापन को मजबूत करने की अपील के साथ हुआ। इस अवसर पर सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने सभी अतिथियों का सम्मान किया और योगदान के लिए आभार जताया।

Dainik Bhaskar ! Page.NO- 05 ! Dated-06-05-2025